7. वचन

किसी वस्तु अथवा प्राणी की एक से अधिक संख्या हो सकती है। इस एक-अनेक को व्याकरणिक भाषा में वचन कहते हैं। बच्चे एक-अनेक के लेखन में अधिकतर गलतियाँ करते हैं। यदि प्रारंभ से ही उन्हें वचन का बोध सही रूप अथवा तरीके से करवाया जाए तो भाषा लेखन में उनकी वचन संबंधी त्रुटियों को दूर किया जा सकता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम बच्चों को बताएँ कि कुछ नामों अथवा चीज़ों को छोड़कर संसार की सभी वस्तुओं की संख्या एक से अधिक हो सकती है। कुछ वस्तु जैसे– सूरज, चाँद, आसमान आदि केवल एक ही हैं।
- ❖ तदुपरांत पाठ पृष्ठ 32 पर दिए चित्र पर बच्चों का ध्यान आकृष्ट कीजिए। पूछें, इस चित्र में क्या हो रहा है? बच्चे क्या बोल रहे हैं? आदि प्रश्नों द्वारा बच्चों को एक या अनेक संख्या के बारे में बताएँ।
- ❖ बताएँ, शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु या प्राणी के एक से अधिक संख्या में होने का बोध होता है, वह वचन कहलाता है।
- ❖ वचन के रूपों एकवचन, बहुवचन के बारे में समझाएँ।
- ❖ वचन को सरलता से समझाने के लिए आसपास की वस्तुओं को माध्यम बनाया जा सकता है। जैसे– बच्चों से पूछें, कक्षा में कितने पंखे हैं, मेज़-कुर्सी की कितनी संख्या है अथवा बच्चों के पास एक पेंसिल है अथवा दो-तीन। एक पेंसिल एकवचन है, 2-3 पेंसिलें बहुवचन हैं आदि।
- ❖ पृष्ठ 33 पर दिए एकवचन-बहुवचन शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ एकवचन-बहुवचन समझाने के उपरांत अब इनके लेखन पर ध्यान दें।
- ❖ एक-अनेक शब्द लिखते समय बच्चे अधिकांशत: अशुद्धियाँ करते हैं। उन्हें सिखाया जाए कि बहुवचन लिखते समय (ा) के ऊपर ही (ँ) की मात्रा लगाई जाती है, इस प्रकार से –(ाँ)।
- ❖ बच्चों को समझाएँ– एकवचन **या** का बहुवचन **याँ** होगा।
- ❖ अकारांत बहुवचन में **क** का **कें** होगा। इस प्रकार – पुस्त**क**-पुस्त**कें**।
- ❖ आकारांत बहुवचन में पं**खा** का पं**खे** होगा।
- ❖ ईकारांत बहुवचन में **ई** – **इ** में बदल जाती है तथा साथ में **याँ** का प्रयोग होता है। जैसे – तित**ली** - तित**लियाँ**
- ❖ बार-बार अभ्यास करवाने से बच्चों को बहुवचन लेखन भली-भाँति समझ आ जाएगा। उन्हें कितना समझ आया है इसके लिए मौखिक अभ्यास करवाएँ। शब्दों के बहुवचन रूप पूछें।
- ❖ 'आपने सीखा' के अंतर्गत दिए बिंदुओं को पढ़वाकर पाठ की दोहराई करवा लें।
- ❖ पाठ प्रश्न अभ्यास करवाते समय प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें और उचित सहायता भी करें।